

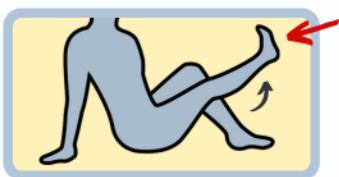
# शारीरिक आत्मरक्षा रणनीतियाँ \*

\* केवल उन स्थितियों में उपयोग करें जहां आप आक्रामकता के ऐसे स्तर का अनुभव कर रहे हैं जो आपकी शारीरिक सुरक्षा को खतरे में डालता है

## सुरक्षा रुख



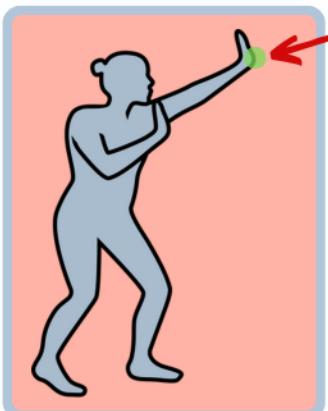
यदि घेर लिया जाता है, सुरक्षित पलायन करने के लिए जल्दी से दूरी तय करने के लिए अर्धवृत्ताकार गति में बाहर निकलें



## जमीन पर

दूरी बनाए रखने के लिए लेग किक का प्रयोग करें

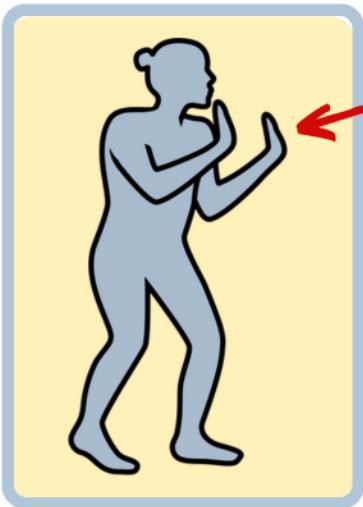
## बुनियादी प्रहार



## हथेली से प्रहार

उंगलियों को पीछे और अंगूठे को अंदर रखते हुए, स्ट्राइक करने के लिए हथेली का उपयोग करें

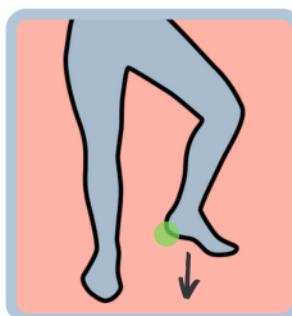
लक्ष्य: नाक और ठुड़ी



- हमलावर से कम से कम एक हाथ की दूरी बनाए रखें
- अपने शरीर को थोड़ा सा घुमाकर पैतालीस डिग्री का कोण बनाएं
- वजन हटाना शुरू करें और धीरे-धीरे पीछे हटें
- हाथों को खुली हथेलियों के साथ ऊपर रखें

**प्राथमिक लक्ष्य:** लक्ष्य हमलावर को धीमा/स्थिर बनाना है।  
इन जगहों का उद्देश्य गंभीर क्षति पहुँचाना और निम्न में बाधा डालना है

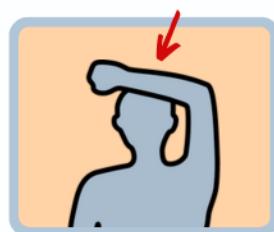
- आंखें - दृष्टि
- नाक - वायुमार्ग
- गला - श्वास
- घुटने - गतिशीलता



## पैर से स्टॉम्प

पैर की एड़ी का उपयोग करके घुटनों को मोड़कर जल्दी से नीचे की ओर झुकें  
लक्ष्य: पैर

## अवरोध पैदा करना



### रूफ अवरोध

सिर को सामने और ऊपर से टकराने से बचाता है

- मुँड़ी हुई हथेली बाहर की ओर
- बांह की कलाई आपके माथे की सीध में होने चाहिए



### कोहनी अवरोध

सिर को बगल से बचाता है। आघात के प्रभाव को कम करने के लिए अपने शरीर का बदलाव करें

- अवरोध करते समय अपनी आंखें आगे की ओर रखें
- कोहनियां आगे की ओर हों

**माध्यमिक लक्ष्य:** लक्ष्य चौंका देना और दर्द देना है।  
इन स्थानों में ठोड़ी, पिंडली, कान, कमर, पसलियां, पैर और उंगलियां शामिल हैं



### फ्रंट किक

पैर की गेंद के साथ जल्दी से नीचे मारो और तेज झटके के साथ वापस खींचो  
लक्ष्य: घुटने या पिंडली

